

# 1604 Когда в Твои слова вникаю

Я есмь истинная виноградная Лоза (Ин. 15, 1)

Em H<sup>7</sup> Em

1. Ког - да в Тво - и сло - ва вни - ка - ю, Хри - стос, Спа -  
2. Твой сок во мне все о - жи - вля - ет, Не - сет мне  
3. И по - то - му мо - е же - ла - нье — В Те - бе, Хри -

H<sup>7</sup> Em/H H<sup>7</sup> Am

1. си - тель див - ный мой, Тог - да все глуб - же по - ни -  
2. ра - дость и по - кой, Ду - ша так близ - ко о - щу -  
3. стос мой, пре - бы - вать, Чтоб в жиз - ни все мо - и де -

H<sup>7</sup> Em

1. ма - ю, Что без Те - бя я — прах зем - ной. Ты  
2. ща - ет Те - бя, Гос - подь, Спа - си - тель мой. Ког -  
3. я - нья Тво - е - ю си - лой со - вер - шать. Ты

Am/C E<sup>7</sup>/H Am G/D D D<sup>7</sup>

1. есть Ло - за мо - я свя - та - я, А  
2. да ж слу - ча - ет - ся по - ро - ю, Не  
3. для ме - ня — Ло - за свя - та - я, А

G/H      D7/A      G      H7      C

1. я      лишь      ве -      точ -      ка      Тво -      я,      И  
 2. пре -      бы -      ва -      ю      я      с То -      бой,      Тог -  
 3. я      лишь      ве -      точ -      ка      Тво -      я.      Тво -

Am      E/H      Am/C      H7

1. сок      для      жиз -      ни      по -      лу -      ча -      ю      Я,      мой      Спа -  
 2. да      тер -      за -      юсь      я      ду -      шо -      ю,      Не      на -      хо -  
 3. и -      ми      со -      ка -      ми      пи -      та -      ясь,      Дай      пре -      бы -

1. Em      |      2. Em      H7      Em

1. си -      тель,      от      Те -      бя.      Ты      си -      тель,      от      Те -      бя.  
 2. дя      ду -      ше      по -      кой.      Ког -      дя      ду -      ше      по -      кой.  
 3. вать      в Те -      бе      всег -      да.      Ты      вать      в Те -      бе      всег -      да.